५०१/१४५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १२ जून, २०११)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५)

सत्संग परिचय - १

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - प्रथम संस्करण, जनवरी - २००१

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''क्या खाक बहादुरी की ? ढेले खाये ।'' (१०१, १०२)

२. ''यह तो हमारी काठियों की भाषा है ।'' (७२)

३. ''तुम्हें कन्या मिल रही थी, तुमने उसको स्वीकार न करके ब्रह्मचारी रहना पसंद किया, क्यों ?'' (११)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. शाम होते-होते तो वह बछेरा की लात मारने की आदत छूट गई । (९६)

२. महाराज ने खसता में नदी के किनारे ब्रह्मांड भेदी नाद लगाया । (१५१)

३. हरिभक्तों ने संतों के कठिन वर्तमान छुड़वाने के लिए महाराज से प्रार्थना की । (८६)

प्र.३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]

१. कृपासाध्य श्रीजीमहाराज (६४) २. संतों को जूते पहनाये (१४५) ३. भावनगर में पधरावनी (१४८)

प्र.४ निम्नलिखित पश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. वणकर तेजाभाई के सम्पर्क से कौन लोग सत्संगी बने ? (१३९)

२. वरजांग जालिया में महाराज ने कैसे नहलवानें की बात की ? (८७)

३. डनलप साहब ने अहमदाबाद के सत्संगी को बुलाकर क्या पूछा ? (९९)

४. भुज मंदिर के निर्माण का कार्य करने को महाराज ने किसको भेजा ? (१२२)

५. महाराजने लड़के को थूकने के बारे में क्या समजाया ? (१०७)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. श्रीजीमहाराज सत्संग छोड़ कर बन में जाने के लिए तैयार हुए । (१०४, १०६)

(१) ☐ हरिहर्यानन्द और निर्विकल्पानन्द को ब्रह्मानन्द स्वामी की ईर्ष्या हुई ।

(२) ☐ कुछ संत बराबर होकर बरतना चाहते हैं, अब मैं ऐसों के साथ नहीं रहूँगा ।

(३) ☐ कदरज गाँव में चार सद्गुरु किये ।

(४) ☐ आप जिसको कहेंगे, उसकी आज्ञा में हम रहेंगे, वह जो भी कहेगा हम करेंगे ।

२. श्रीजीमहाराज ने कही हुई मूलजी भक्त की महिमा (४३-४४)

(१) ☐ वह तो घूमते-फिरते रात-दिन आपको ही याद करता है ।

(२) ☐ हम भी जन्म से ही मूलजी को अखण्ड याद करते हैं ।

(३) ☐ मूलजी भक्त तो मूल माया, मूल पुरुष इन सब से परे हैं ।

(४) ☐ प्रकट अक्षरब्रह्म के साथ एकरूप बनोगे तब हमारी महिमा समझ पाओगे ।

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. महाराजने ..... में एक लाख ब्राह्मणों के समूह को भोजन कराने का निमंत्रण दिया । (५५)

२. महाराजने लग्न में गाने के लिए मुक्तानंद स्वामी को ..... गीतों की रचना करने की आज्ञा दी । (१६)

३. महाराजने अन्तर्यामी रूप से ..... के संकल्प का पता चला और धरमपुर पधारे । (९१)

४. आश्विन ..... के दिन गढ़डा में मूर्तियों की प्रतिष्ठा की । (१४८)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम संस्करण, जुलाई - २०००

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''उन्हें दर्शनों के लिये आने दो ।'' (४९)

२. ''आपकी तबियत ठीक हो जाए तब हम चलेंगे ।'' (५)

३. ''यदि तुम अपना दरबार साधुओं को रहने के लिए दे देंगे तो तुम कहाँ रहोगे ?'' (३८)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग परिचय-१**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [४]

१. मूलजीभाई की नींद खुल गई । (२३)

२. आचार्य अयोध्याप्रसादजी महाराजने गुणातीतानन्द स्वामी को अहमदाबाद बुलाया । (३४)

प्र.९ 'सच्चे उपासक हो तो ऐसे । (४-५)' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. मूलजी ब्रह्मचारी महाराज की कौन कौन सी सेवा करते थे ? (२३)

२. जागा स्वामी ने कौन से गाँव में दीक्षा ली ? (५५)

३. दोनों बहनों के नाम जमींदारी लिख देने के बाद दादाखाचर ने क्या करने का सोचा ? (४०)

४. गुणातीतानन्द स्वामी की विषयखंडन और स्वरूपनिष्ठा की बातें सुनकर नित्यानन्द स्वामी क्या कहते थे ? (८)

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । [६]

विषय : लाडूबा ने दूध के लिए भैंस खरीद ली । (४७)

१. कृष्ण अवतार में आपको कौन खिलाता था ? कौन नहलाता था ? **२.** भैंस ने लहसुन खाया है, इसलिए दूध में उसकी दुर्गंध आ रही हैं । **३.** श्रीजीमहाराज वासुदेवनारायण के कमरे में सभा को सम्बोधित कर रहे थे । **४.** गोपीनाथजी की मूर्ति में रहकर दर्शन देने का श्रीजीमहाराज ने कहा । **५.** तीनों अवस्थाओं में लाडुबा हमारा ही ध्यान करते हैं । **६.** श्रीजीमहाराज को दूध में दुर्गंध आती हुई लगी, इसलिए उन्हों ने दूध नहि पिया । **७.** श्रीजीमहाराज ने भैंस की क़ीमत १०० रुपये में तय की । लाडुबा ने प्रसन्नता से रुपये दे दिये । **८.** प्रतिदिन सवेरे नियम से लाडूबा महाराज को दूध पिलाती थी । ९. तेजा ठक्कर महाराज को वन्दना करने आये, तब महाराज ने दूध की प्रशंसा की और भैंस को देखने के लिए गये । **१०.** दयालु स्वाभाव के कारण संत-हरिभक्तों के प्रति उनको अपार आत्मीयता थी। **११.** तुम्हारे बच्चे क्या पिएँगे ? **१२.** दुर्वासा ने गोपियों द्वारा ले जाए गए सभी खाद्य पदार्थ स्वयं अकेले ही खा लिए थे ?

(१) केवल सही क्रमांक ☐☐☐☐☐☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐☐☐☐☐☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । [४]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : विद्यावारिधि सद्‌गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : सन् १८७२ में मार्गशीर्ष शुक्ला नवमी की रात को नित्यानन्द स्वामी ने अहमदाबाद में आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज, गुणातीतानन्द स्वामी, परमचैत्यानन्द स्वामी, कृपानन्दजी के दर्शन करते करते कारण देह का त्याग किया ।

उत्तर : **विद्यावारिधि सद्‌गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी :** संवत् १९०८ मार्गशीर्ष शुक्ला **अष्टमी** के **दिन** नित्यानन्द स्वामी ने आचार्यश्री **रघुवीरजी महाराज**, **गोपालानन्द स्वामी**, **शुकमुनि**, **शून्यातीतानंदजी** आदि सन्तों के **देखते - देखते** उन्होंने अपनी **नश्वर** देह **वरताल** में छोड़ दी ।

१. **भक्तराज दादाखाचर :** दरबार में पाँच स्त्रियाँ रहती थीं । एकबार एक स्त्री बत्ति सौ रुपए लेकर चम्पत हो गई । (४२)

२. **श्री अयोध्याप्रसादजी महाराज :** सेवकों ने देखा कि पीठ सूजी हुई है और लाल हो गई है। कपड़े में छिपी लाल चिटियाँ मिलि। आचार्य महाराज ने कहा : 'हर कोई अपने कर्म के अनुसार फल भुगतते हैं ।' (३३)

३. **सद्‌गुरु नित्यानंद स्वामी :** विष्णु शर्मा ने कुछ समय तक महाराज के साथ विचरण किया। कुछ दिनों के पश्चात् उन्हें दतिया गाँव में भागवती दीक्षा दी ओर 'नित्यानन्द' शुभ नाम दिया । (२)

४. **श्री कृष्णजी अदा :** कृष्णजी अदा जागा भक्त के पक्ष में रहे। जागा भक्त को मन्दिर से बाहर निकालने के प्रस्ताव पर कृष्णजी अदाने हस्ताक्षर किये । (७०)

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । [१०]

१. फास्ट फूड और तकलीफ (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) सितम्बर-२००९, पा.नं. २४ से २९)

२. आदिवासी उत्कर्ष का आदर्श : प्रमुखस्वामी महाराज (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) अप्रैल - मई - २०११)

३. योगीजी महाराज, हम और क्रोध की ज्वालाएँ (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) जून-२००९, पा.नं. ७ से १३, ३६)

❋ ❋ ❋

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १० जुलाई, २०११ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।